

**नागालाबु** पुं. (तत्.) गोल प्रजाति का कद्दू, लौकी।

**नागाशन** पुं. (तत्.) 1. सर्पों को खाने वाला 2. गरुड़ 3. मोर, मयूर।

**नागाश्रय** पुं. (तत्.) हस्तिकंद।

**नागाहव** पुं. (तत्.) नागकेशर।

**नागाहवा** स्त्री. (तत्.) लक्ष्मणा नामक कंद।

**नागिन** स्त्री. (तत्.) नाग/साँप की स्त्री/मादा, सर्पिणी प्रयो. नाग-नागिन का जोड़ा बड़ा आकर्षक लग रहा है।

**नागी** पुं. (तत्.) शिव, महादेव स्त्री. हथिनी

**नागुला** पुं. (तत्.) 1. नेवला 2. नाकुली नाम की वनस्पति

**नागेंद्र** पुं. (तत्.) 1. नागों का राजा, नागराज 2. बड़ा या प्रमुख नाग या सर्प 3. नागराज वासुकि 4. नागों में श्रेष्ठ शेष नाग 5. उत्कृष्ट हाथी ऐरावत जो देवेंद्र का वाहन माना जाता है।

**नागेश** पुं. (तत्.) दे. नागेंद्र।

**नागेश्वर** पुं. (तत्.) दे. नागेंद्र।

**नागेश्वर** पुं. (तद्.) दे. नागेश्वर 2. वसंत में खिलने वाला एक फूल जिसमें पाँच पंखुडियाँ होती हैं।

**नागेश्वरी** वि. (तत्.) नागकेशर के समान रंग का पुं. नागकेशर का रंग।

**नागोद** पुं. (तत्.) 1. बख्तर या लोहे का तवा जिसे अस्त्राघात से बचाने के लिए छाती पर पहना जाता है 2. एक प्रकार का गर्भ रोग।

**नागोदर** पुं. (तत्.) दे. नागोद।

**नागोदरिका** स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का दस्ताना जो युद्ध में हाथ में पहना जाता है।

**नागोद्भेद** पुं. (तत्.) मेरु पर्वत का एक स्थान जहाँ सरस्वती की गुप्त धारा ऊपर दिखाई पड़ती है।

**नागौद** पुं. (तद्.) मारवाड़ के अंतर्गत एक नगर जहाँ की गौँ और बैल बहुत प्रसिद्ध हैं।

**नागौर** पुं. (तद्.) मारवाड़ के अंतर्गत एक नगर।

**नागौरी** वि. (देश.) 1. मारवाड़ के नागौर नगर से संबंधित 2. अच्छी नस्ल की गाय या बैल 3. नागौर का या नागौर की।

**नाघत** स.क्रि. (तद्.) लाँघता है क्रि.वि. लाँघते हुए या लाँघने पर।

**नाघि** क्रि.वि. (तद्.) लाँघकर उदा. नाघि सिंधु एहि पारहि आवा -तुलसी मानस।

**नाच** पुं. (तद्.) 1. नृत्य 2. प्रसन्नता में की जाने वाली भाव-भंगिमाओं की उछल-कूद 3. कौतुकपूर्ण किया या गति प्रयो. मुझे सब गीतों पर नाचना आता है 4. किसी के इशारे पर कार्य करना प्रयो-प्रजा राजा के संकेत पर नाचती रहती है मुहा. नाच करना/नाच दिखाना- नाचने के लिए तैयार होना; नाच नचाना- जैसा चाहना वैसा कार्य करवाना, परेशान करना; नाच न जाने आँगन टेढ़ा- स्वयं की कमी को ढकते हुए दूसरे में दोष निकालना; नाच दिखाना- तमाशा दिखाना, पाखंड मचाना, किसी के सामने उछल-कूद करना; नाच-नाचना- किसी की इच्छानुसार कार्य करना।

**नाच-कूद** स्त्री. (तद्.) 1. नाचने और कूदने की क्रिया या भाव, उछल-कूद, नाच तमाशा 2. ऐसी क्रिया या हाव-भाव जो दूसरों के लिए मनोरंजक या हास्यास्पद लगे 3. लाक्षणिक रूप में एक ऐसा प्रयास जो अंत में व्यर्थ सिद्ध हो।

**नाच-गाना** पुं. (तद्.) नृत्य और गायन, नाचना और गाना दोनों क्रियाएँ एक साथ संपन्न करना।

**नाचघर** पुं. (तद्.) दे. नृत्यशाला।

**नाचन** स्त्री. (देश.) एक छोटी चिड़िया जिसे 'चकदिल' के नाम से भी जाना जाता है, यह गौरैया के आकार की हल्के भूरे रंग की होती है, यह मक्खियों-मच्छरों को खाने वाली तथा कर्कश स्वर निकालती है।

**नाचना** स.क्रि. (तद्.) 1. ताल और लय के अनुसार हाव-भाव और अंग संचालन करना प्रयो. श्रेष्ठ नर्तकियों को रंगमंच पर नाचना ही पंसद होता है 2. हर्ष की अधिकता से झूमना या उछलना-